श्री गणेश आरती

जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा।
माता जाकी पार्वती, पिता महादेव।

एक दंत दयावंत, चार भुजा धारी।
माथे पर तिलक सोहे, मूस की सवारी।

पान चढ़े, फूल चढ़े, और चढ़े मेवा।
लड्डुअन का भोग लागे, संत करें सेवा।

अंधन को आंख देत, कोधिन को काया।
बांझन को पुत्र देत, निर्धन को माया।

सूर श्याम शरण आये, सफल कीजे सेवा।
जय गणेश, जय गणेश, जय गणेश देवा।

माता जाकी पार्वती, पिता महादेव।

HINDUMANTRA.NET